MULA - II (2008 Course) : SUMMER - 2016

Subject : Economics (S-2)

Day : Wednesday
Date : 13/04/2016

S.D.E. 28966

Time : 11.00 AM TO 02.00 PM
Max Marks : 80 Total Pages : 3

N.B.:

1) All questions are **COMPULSORY**.
2) Figures to the right indicate **FULL** marks.

SECTION-I

Q.1 Attempt **ANY TWO** of the following : **(16)**

a) What are the objectives of Macro Economic Policy?
b) Explain the concept of National Income.
c) State the Classical approach of relation between wage- cut and full employment.
d) Explain the Keynesian Theory of Consumption Function.

Q.2 Write short note :(**ANY FOUR**) **(16)**

a) Nature of macro economics
b) Net National Income
c) Keynesian criticism of classical theory
e) Autonomous and Induced investment
f) Marginal Propensity to consume
e) Green accounting

SECTION-II

Q.3 Attempt **ANY TWO** of the following : **(16)**

a) Explain the Classical Theory of Interest.
b) Discuss the Keynesian views on trade cycle.
c) Describe the flexible exchange rate system.
d) What are the constraints to growth?

Q.4 Attempt **ANY TWO** of the following : **(16)**

a) Explain the importance of growth model.
b) What are the methods to correct adverse Balance of payment?
c) Discuss the Hayeks Over- Investment Theory.
d) Explain the Keynesian Theory of Interest.

Q.5 Write short note :(**ANY FOUR**) **(16)**

a) Neoclassical theory of interest.
b) Phases of trade cycle.
c) Components of Balance of payment
d) Sources of economic growth
e) Concept of Acceleration
d) Effects of growth

* * *

मराठी रुपांतर

सूचना:

१) सर्व प्रश्न **आवश्यक** आहेत.

२) उजवीकडील अंक **प्रश्नाचे पूर्ण गुण** दर्शवितात.

३) दोन्ही विभाग **एकाच उत्तरपत्रिकेत** लिहावेत.

विभाग –१

प्र.१ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नाची उत्तरे लिहा. (१६)

अ) स्थुल आर्थिक धोरणाचे उद्दिष्ट्ये कोणती?

ब) राष्ट्रीय उत्पन्नाची संकल्पना स्पष्ट करा.

क) वेतन– कपात आणि पूर्ण रोजगार यासंबंधी सनातनवादी दृष्टिकोन सांगा.

ड) केन्सचा उपभोग फलनाचा सिध्दांत स्पष्ट करा.

प्र.२ टीपा लिहा. **(कोणत्याही चार)** (१६)

अ) स्थूल अर्थशास्त्राचे स्वरुप

ब) निव्वळ राष्ट्रीय उत्पन्न

क) सनातवादी सिध्दांतवरील केन्सची टीका

ड) स्वायत्त आणि प्रेरित गुंतवणूक

इ) सीमांत उपभोग प्रवृत्ती

फ) हरित लेखांकन

विभाग –२

प्र.३ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नाची उत्तरे लिहा. (१६)

अ) व्याजाचा सनातनवादी सिध्दांत स्पष्ट करा.

ब) व्यापार चक्रावरील केन्सच्या विचाराची चर्चा करा.

क) लवचिक विनिमय दर पध्दतीचे वर्णन करा.

ड) वृध्दिचे अवरोधक कोणते?

प्र.४ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नाची उत्तरे लिहा. (१६)

अ) वृध्दि प्रतिमानाचे महत्त्व स्पष्ट करा.

ब) असंतूलीत व्यवहारतोल दुरुस्त करण्याच्या पध्दती कोणत्या?

क) हायेकच्या अती–गुंतवणूक सिध्दांताची चर्चा करा.

ड) केन्सचा व्याजाचा सिध्दांत स्पष्ट करा.

प्र.५ टीपा लिहा. **(कोणत्याही चार)** (१६)

अ) व्याजाचा नव सनातनवादी सिध्दांत

ब) व्यापार चक्राचे टप्पे

क) व्यवहारतोलाचे घटक

ड) आर्थिक वृध्दिचे स्त्रोत

इ) प्रवेगाची संकल्पना

फ) वृध्दिचे परिणाम

* * * *

हिंदी रुपांतर

सूचनाएं:

१) सभी प्रश्न **अनिवार्य** है ।
२) दाहिने दिए अंक प्रश्न के पूर्ण गुण दर्शाते है।
३) दोनों विभाग **एकाही उत्तरपत्रिका** में लिखिए ।

विभाग –१

प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए । (१६)

अ) स्थुल आर्थिक नीति के उद्देश क्या है?
ब) राष्ट्रीय आय की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।
क) वेतन कपात और पूर्ण रोजगार संबंधी प्रतिष्ठित दृष्टिकोन समझाइए ।
ड) केन्स का उपभोग फलन सिध्दांत स्पष्ट कीजिए ।

प्र.२ टिप्पणी लिखिए । **(कोई भी चार)** (१६)

अ) स्थूल अर्थशास्त्र की प्रकृती
ब) शुध्द राष्ट्रीय आय
क) प्रतिष्ठित सिध्दांत पर केन्स की आलोचना
ड) स्वायत्त तथा प्रेरित निवेश
इ) सीमांत उपभोग प्रवृती
फ) हरित लेखांकन

विभाग –२

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए । (१६)

अ) ब्याज का प्रतिष्ठित सिध्दांत स्पष्ट कीजिए ।
ब) व्यापार चक्र पर केन्स के विचारोंकी चर्चा कीजिए ।
क) लचिली विनिमय दर व्यवस्था का वर्णन कीजिए ।
ड) वृध्दी के अवरोधक क्या है?

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए । (१६)

अ) वृध्दि मॉडेल का महत्त्व समझाइए ।
ब) असंतूलीत भूगतानशेष संतूलीत करने की विधीयाँ क्या है?
क) हायेक के अति–निवेश सिध्दांत की चर्चा कीजिए ।
ड) केन्सीयन ब्याज का सिध्दांत स्पष्ट कीजिए ।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए । **(कोई भी चार)** (१६)

अ) नव–सनातनवादी ब्याज का सिध्दांत
ब) व्यापार चक्र की अवस्थाएं
क) भूगतानशेष के कारक
ड) आर्थिक वृध्दी के स्त्रोत
इ) प्रवेग की अवधारणा
फ) वृध्दी के प्रभाव

* * * *